

भारत सरकार  
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 3958  
उत्तर देने की तारीख 18.08.2025

**सांस्कृतिक उद्योगों का विकास**

**3958. श्री वी. वैथिलिंगम :**

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या सरकार ने सांस्कृतिक संस्थाओं और सांस्कृतिक उद्योगों के विकास को समर्थन देने, संस्कृति पेशेवरों के लिए तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने और सतत, समावेशी और समान आर्थिक वृद्धि एवं विकास के लिए सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और
- (ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री  
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

- (क) और (ख) : जी, हाँ। सरकार ने सांस्कृतिक संस्थानों और उद्योगों का विकास करने, सांस्कृतिक पेशेवरों को तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सतत, समावेशी और समतामूलक आर्थिक विकास हेतु सांस्कृतिक एवं रचनात्मक क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु विभिन्न पहल की है। विवरण निम्नानुसार हैं:
- (i) संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप राष्ट्रव्यापी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा को संस्कृति से जोड़ रहा है, जो भारतीय कला, विरासत और सांस्कृतिक मूल्यों को शिक्षाशास्त्र में एकीकृत करता है। तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण विषयगत कार्यशालाओं, अभिविन्यास पाठ्यक्रमों और मास्टर शिल्पकारों, पारंपरिक कलाकारों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों के साथ लाइव सत्रों के माध्यम से प्रदान किया जाता है, जो प्रतिभागियों को सांस्कृतिक उद्यमिता और रोजगार के लिए कौशल से सुसज्जित करता है। सीसीआरटी सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति स्कीम, युवा कलाकारों

को छात्रवृत्ति और सांस्कृतिक क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए फैलोशिप भी लागू करता है। राष्ट्रीय सांस्कृतिक उत्सव, स्कूलों में सांस्कृतिक क्लब और सामुदायिक आठटरीच कार्यक्रम कौशल विकास को बढ़ावा देते हैं, विरासत को संरक्षित करते हैं और रोजगार के अवसरों का विस्तार करते हैं जिससे सतत, समावेशी और समतामूलक आर्थिक विकास हो सके।

- (ii) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत पुरातत्व संस्थान, पुरातत्व में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिसमें नामांकित छात्रों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों तरह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस डिप्लोमा के अलावा, यह अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, कार्यशालाएँ और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।
- (iii) संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमंच को पेशे के रूप में अपनाने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए नई दिल्ली में तीन वर्षीय पूर्णकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, अभिनय, नाट्य कला, शिक्षा में रंगमंच (टीआईई) और शास्त्रीय रंगमंच में एक-वर्षीय पाठ्यक्रम क्रमशः बैंगलुरु, सिविकम, त्रिपुरा, वाराणसी और जम्मू-कश्मीर स्थित इसके केंद्रों में संचालित किए जाते हैं।
- (iv) राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधानशाला (एनआरएलसी) सांस्कृतिक पेशेवरों और नए लोगों के लिए सांस्कृतिक संपत्ति के संरक्षण में लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है।
- (v) भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के अधीन अभिलेखीय अध्ययन विद्यालय (एसएएस) आकांक्षी अभिलेखीय पेशेवरों के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में कार्य करता है। पिछले एक वर्ष में, एसएएस ने कुल 9 पाठ्यक्रम संचालित किए हैं और एक वर्षीय डिप्लोमा और अल्पकालिक दोनों पाठ्यक्रमों के कुल 91 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरे किए हैं। प्रशिक्षित अभिलेखीय पेशेवर विभिन्न सार्वजनिक और निजी अभिलेखीय संस्थानों में कार्यरत हैं।
- (vi) भारतीय विरासत संस्थान की स्थापना एक मानद विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी जो कला एवं सांस्कृतिक विरासत में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान का एक अग्रणी केंद्र है। इस संस्थान की स्थापना शैक्षणिक मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सांस्कृतिक विरासत से संबंधित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग करने के उद्देश्य से की गई थी।

(ग): प्रश्न नहीं उठता।

\*\*\*